# खुशियां मातम में बदलीं:चित्रकूट की बगदरा घाटी में बारातियों से भरी बस पलटी, 23 घायल

**सतना।** जिले के चित्रकूट क्षेत्र से एक हृदयविदारक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। बुधवार शाम बगदरा घाटी की ढलानों पर बारातियों से भरी एक तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण दुर्घटना में बस सवार 23 यात्री घायल हो गए,जिनमें से 3 की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है।

### वापसी के सफर में बरपा काल

जानकारी के अनुसार,बस क्रमांक एमपी 17 पी 0516 उत्तर प्रदेश के रहपुरा से बारात लेकर रीवा गई थी। विवाह समारोह संपन्न होने के बाद सभी बाराती हंसी-खुशी वापस लौट रहे थे। शाम करीब 5 बजे जैसे ही बस चित्रकूट थाना अंतर्गत बगदरा घाटी के ढलान पर पहुँची,अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के राहगीर दंग रह गए।

### तकनीकी खराबी बनी हादसे की वजह

प्रारंभिक जांच और चश्मदीदों के बयानों के आधार पर हादसे का मुख्य कारण बस की 'कमानी' का अचानक टूटना माना जा रहा है। कमानी टूटते ही बस एक तरफ झुक गई और चालक का नियंत्रण खत्म हो गया। घाटी की ढलान होने के कारण बस की गति अनियंत्रित हो गई,जिससे वह सड़क पर ही पलट गई।

### तत्काल राहत और रेस्क्यू ऑपरेशन

हादसे की सूचना मिलते ही मझगवां और चित्रकूट थाना पुलिस की टीमें दल-बल के साथ मौके पर पहुँचीं। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से पुलिस ने बस की खिड़कियां और मलबा हटाकर फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तत्काल जानकीकुंड अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, 3 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं जिन्हें आईसीयू में रखा गया है। अन्य यात्री खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं।

### प्रशासनिक जांच शुरू

पुलिस ने दुर्घटनास्थल का मुआयना कर मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि बस की यांत्रिक स्थिति और चालक की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है।

## हादसों का 'ब्लैक डे', चार अलग-अलग घटनाओं में 4 की मौत

सतना।

जिले और आसपास के क्षेत्रों के लिए पिछला 24 घंटा काल बनकर आया। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई दर्दनाक घटनाओं में कहीं करंट,कहीं सर्पदंश तो कहीं रेल हादसे ने परिवारों की खुशियां छीन लीं। पुलिस ने सभी मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

### मैहरः ट्रेन की चपेट में आने से युवक के उड़े चिथड़े

मैहर रेलवे ओवरब्रिज के नीचे एक भीषण रेल हादसा हुआ। यहाँ ट्रेन की चपेट में आने से एक अज्ञात युवक की मौके पर ही मौत हो गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि शव क्षत-विक्षत हो गया। हादसे के कारण ब्रिज के आसपास काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा और जाम की स्थिति बनी रही। जीआरपी पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है।

### मझगवांः शटर में उतरा मौत का करंट

चित्रकूट के मझगवां थाना अंतर्गत पंवरिया बाबा आश्रम के पास एक हृदय विदारक घटना घटी। यहाँ रहने वाले 35 वर्षीय रजनीश मिश्रा सुबह जब अपने कमरे का शटर खोल रहे थे,तभी शटर में उतरे करंट ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। करंट इतना शक्तिशाली था कि रजनीश को संभलने का मौका तक नहीं मिला और उनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

### अमरपाटनः मोटरपंप चालू करते समय थमी सांसें

ग्राम दुबेही में बिजली के उपकरणों के साथ बरती गई छोटी सी असावधानी जानलेवा साबित हुई। देर रात उमाशंकर पांडेय अपने घर में पानी का मोटरपंप चालू करने गए थे। जैसे ही उन्होंने स्टार्टर को हाथ लगाया,वे करंट की चपेट में आकर झुलस गए। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

### रसोई में घुसा काल, सर्पदंश से वृद्धा की मौत

अमरपाटन के ही ग्राम देवरी करईया में 70 वर्षीया चंद्रवंशी कुशवाहा अपनी रसोई में भोजन बना रही थीं। इसी दौरान वहां छिपे एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। जब तक परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे,जहर पूरे शरीर में फैल चुका था और वृद्धा ने दम तोड़ दिया।

## हत्या के प्रयास का इनामी आरोपी 3 साल बाद गिरफ्तार

**सतना।** पुलिस अधीक्षक डॉ.हंसराज सिंह के निर्देशन में सतना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए तीन साल से फरार चल रहे 5000 रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (देहात) प्रेमलाल कुर्वे और एसडीओपी नागौद रघु केशरी के मार्गदर्शन में कोठी थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष तिवारी की टीम ने इस गिरफ्तारी को अंजाम दिया। पकड़ा गया आरोपी दिनेश सिंह (21 वर्ष),निवासी रायपुर,थाना कोठी,साल 2023 से फरार चल रहा था।

### क्या था मामला?

12 जून 2023 को रायपुर निवासी संध्या त्रिपाठी की रिपोर्ट पर पुलिस ने दिनेश सिंह सहित 6 आरोपियों के खिलाफ धारा 307 (हत्या का प्रयास) समेत अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया था।मामले के 5 आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे,लेकिन दिनेश सिंह लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था,जिसके चलते उस पर 5000 रुपये का इनाम घोषित किया गया था। 5 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार किया और आज दिनांक 06.05.2026 को उसे माननीय न्यायालय में पेश किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी संतोष तिवारी,सउनि.राजबहादुर सिंह,प्र.आर.देवेंद्र सेन,आरक्षक रिंकू जाटव और रामनरेश बैगा की विशेष भूमिका रही।

## शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार

**सतना।** पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस उप महानिरीक्षक (रीवा जोन) के निर्देशन,पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी नागौद के नेतृत्व में नागौद पुलिस ने महिला संबंधी अपराध के एक गंभीर मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। मामला नवंबर 2025 का है,जब प्रार्थिया के लापता होने पर थाना नागौद में 'गुम इंसान' का मामला दर्ज किया गया था। पीड़िता के दस्तयाब होने के बाद उसने अपने बयानों में आपबीती सुनाई। पीड़िता की जान-पहचान आरोपी अमर त्रिपाठी से उसकी बहन के घर (इंदौर) में हुई थी,जहाँ आरोपी किराये से रहता था। आरोपी ने पहले पीड़िता के गांव आकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद शादी का झांसा देकर उसे अपने साथ पुणे और मुंबई ले गया। मुंबई में प्रवास के दौरान आरोपी ने शादी का वादा कर पीड़िता के साथ लगातार शारीरिक शोषण किया। बाद में आरोपी ने शादी करने से साफ इंकार कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की थी। घटना के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था,जिसकी तलाश हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया। आरोपी अमर त्रिपाठी (21 वर्ष), पिता पुरुषोत्तम त्रिपाठी,निवासी-मझियार,थाना रामपुर बघेलान,जिला सतना को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया,जहाँ से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी नागौद निरीक्षक अशोक पाण्डेय के नेतृत्व में निम्नलिखित टीम का विशेष योगदान रहा।

## विकास या मेहमाननवाजी? ग्राम पंचायत घोरवई में काजू-बादाम के बिलों पर बवाल

**मैहर।** जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत घोरवई इन दिनों अपने विकास कार्यों के लिए नहीं,बल्कि काजू,बादाम और मिठाइयों के भारी-भरकम बिलों के लिए सुर्खियों में है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि शासन द्वारा विकास कार्यों के लिए आवंटित राशि का उपयोग धरातल पर काम करने के बजाय 'वीआईपी' मेहमाननवाजी और नाश्ते पर किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ पंचायत में घटिया निर्माण की शिकायतें आम हैं,वहीं दूसरी तरफ काजू-बादाम और मिठाइयों के बिल धड़ल्ले से पास किए जा रहे हैं। लोगों ने तंज कसते हुए पूछा है कि क्या अब विकास की परिभाषा 'मजबूत नाश्ता और कमजोर काम' हो गई है? ताज्जुब की बात यह है कि जिला पंचायत स्तर पर भी समोसा, नमकीन और मिठाइयों के बिलों की जांच नहीं हो रही है। जनता अब प्रशासन से सवाल कर रही है कि उनके टैक्स का पैसा सड़कों के गड्ढे भरने में लगेगा या अधिकारियों की थालियों में सजेगा।

## लापरवाही की भेंट चढ़ा अन्नदाता का गेहूं: बेमौसम बारिश से हजारों क्विंटल अनाज बर्बाद

**मैहर।** जिले में प्रशासन की घोर लापरवाही के कारण किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया है। मौसम विभाग की स्पष्ट चेतावनी के बावजूद खरीदी केंद्रों और वेयरहाउसों में हजारों क्विंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा रहा,जो हालिया बेमौसम बारिश में भीगकर खराब हो गया है।विशेष रूप से वेयरहाउस और सेवा सहकारी समिति नादन में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। तिरपाल और कवर की व्यवस्था न होने के कारण गेहूं की गुणवत्ता नष्ट हो गई है। किसानों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि जिस अनाज को सुरक्षित रखने के निर्देश थे,उसे प्रबंधकों की लापरवाही के कारण सड़ने छोड़ दिया गया। अब डर यह है कि यही खराब गेहूं सार्वजनिक वितरण प्रणाली (कंट्रोल) के माध्यम से गरीबों को बांटा जाएगा। ग्रामीणों ने दोषी समिति प्रबंधकों पर कड़ी कार्रवाई और नुकसान के सही आकलन की मांग की है। सवाल यह उठता है कि बार-बार चेतावनी मिलने के बाद भी प्रशासन क्यों सोया रहा?

## कुंजन तलैया मार्ग निर्माण में कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

**मैहर।** नगर कांग्रेस अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने कुंजन तलैया से गोलामठ मंदिर तक निर्माणाधीन सड़क में भारी भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। श्री द्विवेदी ने लोक निर्माण विभाग और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि निर्माण कार्य में मानकों की खुली अनदेखी की जा रही है। मौके पर निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सड़क के किनारों पर डामर की मात्रा बेहद कम है,जिससे सड़क बनने के साथ ही उखड़ने लगी है। चूंकि यह मार्ग सुप्रसिद्ध शारदा देवी मंदिर के पीछे स्थित है और श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए महत्वपूर्ण है,इसलिए घटिया निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों में भी भारी आक्रोश है। श्री द्विवेदी ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई,तो कांग्रेस आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेगी।

## सड़क सुरक्षा सप्ताहः जागरूकता से ज्यादा चालान काटने पर जोर?

**मैहर।** वर्तमान में मनाया जा रहा 'सड़क सुरक्षा सप्ताह' सवालों के घेरे में है। सड़कों पर पुलिस की सक्रियता तो बढ़ी है,लेकिन आम जनता का मानना है कि यह अभियान जागरूकता फैलाने के बजाय केवल 'वसूली' का जरिया बनकर रह गया है। चौराहों पर पुलिस दोपहिया वाहन चालकों के धड़ाधड़ चालान काट रही है,लेकिन हेलमेट पहनने के प्रति लोगों की मानसिकता में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। सड़क सुरक्षा का वास्तविक उद्देश्य जीवन बचाना होना चाहिए,न कि चालान संग्रह का रिकॉर्ड बनाना। हकीकत यह है कि लोग पुलिस के डर से हेलमेट पहनते हैं,अपनी सुरक्षा के लिए नहीं। आलोचकों का कहना है कि पुलिस को केवल दंड देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए,बल्कि स्कूलों,कॉलेजों और बाजारों में जाकर लोगों को सुरक्षा के महत्व को समझाना चाहिए। जब तक वाहन चालक हेलमेट को 'बोझ' के बजाय 'जीवन रक्षक' नहीं समझेंगे,तब तक केवल चालान काटने से दुर्घटनाओं पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता।

## खबर संक्षेप

### विद्युत लाइन की चपेट में आने से भैंस की हुई मौत

**पन्ना।** विकासखंड शाहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत पुरैना स्थित पड़ेरी गांव में विद्युत लाइन की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी व्यक्ति की जान नहीं गई बातचीत के दौरान पड़ेरी निवासी अवधेश यादव ने बताया कि सुबह करीब 8 बजे उनकी भैंस बरहा घाट की ओर चरने जा रही थी कि अचानक खेतों म विद्युत लाइन की चपेट में आने से भैंस की मौत हो गई चश्मदीदों के मुताबिक बीती रात तेज आंधी और तूफान के चलते खेतों के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त होकर गिर गई और खेतों में चारों ओर करेंट फैल गया जिसकी चपेट में आने से भैंस की मौत हो गई फरियादी के अनुसार भैंस की कीमत लगभग 1लाख 35 हजार रुपए है जो कि उन्होंने पाई पाई जोड़कर अभी कुछ दिनों पहले ही खरीदी थी घटना के बाद उनके परिवार वालों का रो रोकर बुरा हाल है व्यक्ति ने आवेदन के माध्यम से पुलिस थाने में शिकायत की है।

### कलेक्टर ने गेहूं खरीदी केन्द्र जरूआपुर का किया औचक निरीक्षण

**पन्ना।** कलेक्टर ऊषा परमार ने बुधवार को गेहूं उपार्जन केन्द्र जरूआपुर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा सर्वेयर एवं प्रबंधक से स्कंध खरीदी के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए। केन्द्र पर किसानों की सुविधाओं के मद्देनजर मूलभूत व्यवस्थाओं और अन्य आवश्यक प्रबंध का जायजा भी लिया। किसानों से चर्चा भी की। इस दौरान शासन के निर्देश मुताबिक गेहूं उपार्जन, परिवहन एवं भण्डारण के संबंध में निर्देशित किया गया। जिला कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्र पर बारदाना की उपलब्धता सहित तुलाई तथा आवक गेहूं एवं ग्रेडिंग कार्य का अवलोकन भी किया। उपार्जित गेहूं तथा किसानों को राशि भुगतान प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर समय सीमा में कार्य संपादित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम संजय कुमार नागवंशी भी उपस्थित रहे।

### कृषि योजनाओं के लाभ के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

**पन्ना।** किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए अब कृषकों को ऑनलाइन पंजीयन एवं आवेदन करना अनिवार्य है। इसके लिए हितग्राही किसानों के पास फॉर्मर आईडी होना भी जरूरी है। विभाग के उप संचालक ओ.पी. तिवारी ने बताया कि किसान भाई खरीफ 2026 में योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए एमपी किसान एप पर ऑनलाइन पंजीयन कर सकते हैं। कृषि विभाग में संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं का पंजीयन पोर्टल, मोबाइल एप पर मोबाइल से अथवा किसान की सहमति से कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी कराया जा सकता है। इस संबंध में किसानों को विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी अथवा अपने क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क करने की सलाह भी दी गई है।

### 2 लाख रूपए की प्रतिकर राशि स्वीकृत

**पन्ना।** कलेक्टर एवं दावा निपटान आयुक्त ऊषा परमार द्वारा मोटर यान दुर्घटना के एक प्रकरण में प्रतिकर के रूप में कुल 2 लाख रूपए की राशि स्वीकृत की है। 11 मई 2025 को रात्रि 8 बजे गुनौर तहसील के थाना सलेहा अंतर्गत पवई-सलेहा-नागौद रोड पर टक्कर मारकर भागने की घटना में ग्राम कटरा तहसील गुनौर निवासी 61 वर्षीय फग्गू कुशवाहा की 13 मई 2025 को मृत्यु हो गई थी। इस कारण मृतक के विधिक प्रतिनिधि के रूप में चार विधिक वारसान को 50-50 हजार रूपए की राशि मंजूर की गई है। इनमें राकेश कुशवाहा, अर्जुन कुशवाहा, गुड्डी बाई एवं सावित्री शामिल हैं।

### जिला चिकित्सालय के दस्तावेजों का होगा विनिष्टीकरण

**पन्ना।** जिला चिकित्सालय पन्ना अंतर्गत विभिन्न वार्ड एवं शाखाओं के निर्धारित समयावधि के पुराने दस्तावेजों का विनिष्टीकरण किया जाना है। इस संबंध में सभी नागरिकों को मरीजों से संबंधित नियत अवधि के दस्तावेजों की आवश्यकता होने पर 15 दिवस के अंदर सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करने के लिए सूचित किया गया है अन्यथा शासन के निर्देश अनुरूप दस्तावेजों का विनिष्टीकरण कर दिया जाएगा।

# जल स्तर गिरा, कुंए सूखेः केन किनारे गांवों में पेयजल संकट गहराया, एक तरफ पूजन, दूसरी तरफ दोहनः केन नदी बचाने की पुकार

**एक तरफ जल संवर्धन के कार्यों को प्राथमिकता, दूसरी नदियों में किये जा रहे दीप दान**

वहीं केन नदी से रेत के कारोबार के चलते सरकार व कारोबारियों की सोच के कारण केन नदी का जल स्तर सतत जा रहा नीचे, केन नदी के किनारे बसे गावों के प्राचीन कुंओं का जल स्तर भी प्रभावित गांवों में पेयजल समस्या का जिम्मेदार होगा कौन?

**पन्ना।**

हर वर्ष की तरह अप्रैल-मई माह में जहां जल संकट सबको याद आता है वहीं जल ही जीवन है जल संवर्धन को लेकर सरकार की प्राथमिकता भी वर्तमान समय में जहां सभी के लिये प्रेरणादायी वहीं पर्यावरण हो या जल सहेजने की बात हो केन नदी जो हमारी सैकड़ों गांव अजयगढ़ क्षेत्र के केन के किनारे जो आते है जहां केन नदी का जल स्तर सतत नीचे जाने के कारण प्राचीन समय के कुंए जो गांवों के पेयजल का आधार माने जाते है। इन कुंओं का जल स्तर भी घट रहा है पेयजल समस्या इन दिनों हर वर्ष की तरह जानी जाती है आखिरकार केन नदी के जल स्तर को सहेजने की जरूरत क्या जल संवर्धन को ध्यान में रखकर नहीं मानी जा सकती आखिरकार एक तरफ तो नदियों की पूजन आरती जल संवर्धन के कार्यों को ध्यान में रखते हुये जल की जरूरत को लेकर की जा रही है वहीं केन नदी में जहां मशीनों से रेत का उत्खनन जो 30-30 फुट नीचे किया जाता है क्या इसकी परमीशन खनिज विभाग के नियमों के मापदण्ड के तत माना जाये रेत का ठेका तो माना जाता है पर कितनी गहराई से रेत निकालने के लिये इसे उचित माना जाये क्या इसपर गौर होगा। वहीं एनजीटी के नियम जो कहीं न कहीं जलीय जीव जंतुओं के जीवन को प्रतिवर्ष हर दिन समाप्त करना माना जाता है वहीं जल स्तर को भी नीचे पहुंचाने के लिये रेत का कारोबार जहां सरकार के जिम्मेदारों की मिली भग व रेत के कारोबारियों के कारण केन नदी में यह दास्तां जो निर्मित हुई है जिसके चलते प्राचीन समय के कुंओं का जल स्तर भी नीचे पहुंचा वहीं हेण्डपम्प भी जो दसों वर्ष पूर्व लगाये गये जो पेयजल के लिये जल स्तर पर्याप्त होता था आज हालात बदले अब हेण्डपम्पों में भी पेयजल के लिये जल के स्तर की कहानी प्राभावकारी हो गईं इतना ही नहीं इन गावों में जो आने वाला समय होगा वह जल संकट को लेकर प्रमुखता से जाना जायेगा जहां जल की आपूर्ति सदैव पर्याप्त मानी जाती थी केन नदी की धारा प्रवाहित होती थी आज केन नदी डबरों में तब्दील हो रही है जल स्तर नीचे जा रहा है। यहां कैसा जल संवर्धन क्या केन नदी को बचाया जायेगा। केन नदी का जीवन इस समय संकट में फिर जल संवर्घन का यह समय तो तभी उचित माना जायेगा जब केन नदी को बचाया जाये जिससे आने वाले सैकड़ों गांवों की भावी समस्या जल संकट के निदान को लकर जाना जायेगा। रेत के कारोबार में आखिरकार क्या है नियम क्या ग्राम सभाओं को बताया जायेगा या ग्राम सभाओं की परमीशन उचित है क्योंकि गांवों का जीवन जल के बगैर कैसे संभव होगा। यहां एक बड़ी समस्या आने वाले समय के लिये चुनौती बन चुकी है केन नदी से रेत का कारोबार जो गांवों की सड़कों को भी जर-जर करता है वहीं जल स्तर को निचली सतह तक पहुंचाने के लिये सतत माना जा रहा है इन परिस्थितियों में जल संवर्धन को ध्यान में रखकर क्या केन नदी का पूजन-अर्चन करते हुये केन नदी को बचाया जायेगा तभी सच्चा जल संवर्धन कहलायेगा।

### कलेक्टर ने जनगणना प्रचार रथ को दिखाई हरी झंडी राष्ट्रीय अभियान में जिलेवासियों से सहयोग की अपील

**पन्ना।** कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी ऊषा परमार ने जनगणना कार्य के प्रचार-प्रसार के लिए जनसंपर्क संचालनालय भोपाल द्वारा प्रदाय की गई जनगणना प्रचार रथ को कलेक्ट्रेट परिसर से बुधवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार रथ द्वारा पन्ना जिले के 20 प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर जनगणना हेतु किए जा रहे कार्यों के प्रति जनमानस को जागरूक किया जाएगा तथा लोगों को जनगणना के महत्व की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर श्रीमती परमार ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा है कि जनगणना-2027 के तहत एक से 30 मई तक मकान सूचीकरण का कार्य किया जा रहा है। जनगणना कार्य में संलग्न अधिकारी एवं कर्मचारी मकान गणना सहित 33 प्रकार की जानकारी प्राप्त करेंगे। सभी जिलेवासी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का सहयोग करते हुए जनगणना के अंतर्गत मकान गणना कार्य में सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनगणना का उद्देश्य देश की जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सटीक आंकलन करना है, जिससे भविष्य की योजनाओं को बेहतर एवं प्रभावी तरीके से लागू किया जा सके। जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। सही एवं सटीक जानकारी देकर जिलेवासी देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कलेक्टर ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जानकारी देने से पहले अधिकारी अथवा कर्मचारी का पहचान पत्र अवश्य जांच लें। केवल अधिकृत शासकीय कर्मचारियों को ही जानकारी प्रदान करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें। इस मौके पर अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी मधुवंतराव धुर्वे सहित एसडीएम संजय कुमार नागवंशी, सहायक अधीक्षक जनगणना शाखा उमाशंकर दुबे, जनगणना निदेशालय द्वारा नियुक्त जिला प्रतिनिधि मिलन गुप्ता एवं पत्रकारगण भी उपस्थित रहे।

## थाना रैपुरा पुलिस ने जुआ फड़ पर दी दबिश

# 20 जुआरियों पर कार्रवाई, 14 लाख से अधिक का मशरूका जप्त

**पन्ना।**

पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती वंदना चैहान के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी पवई श्रीमती भावना डांगी के पर्यवेक्षण में जिले में अवैध गतिविधियों, जुआ-सट्टा एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत थाना रैपुरा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना रैपुरा पुलिस द्वारा क्षेत्र भ्रमण एवं जुर्म-जरायम पतासाजी के दौरान कस्बा रैपुरा में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि विनय चनपुरिया द्वारा अपने निवास पर बाहरी व्यक्तियों को एकत्रित कर ताश के पत्तों के माध्यम से अवैध जुआ फड़ संचालित किया जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्काल रणनीतिक घेराबंदी कर स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में मौके पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान मुख्य आरोपी विनय चनपुरिया अपने घर में जुआ फड़ संचालित करते हुए पाया गया। उसके साथ 19 अन्य व्यक्ति नगदी दांव लगाकर जुआ खेलते हुए पकड़े गए। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे पिछले कई दिनों से उक्त स्थान पर जुआ खेल रहे थे तथा इसके एवज में मुख्य आरोपी को आर्थिक लाभ पहुंचा रहे थे। पुलिस द्वारा मौके से 52 ताश पत्ते, 1,73,300 नगद, 19 मोबाइल फोन, 01 चारपहिया वाहन एवं 06 दोपहिया वाहन जप्त किए गए। जप्त मशरूका की कुल अनुमानित कीमत 14,06,800ध्- आंकी गई है। मुख्य

आरोपी विनय चनपुरिया के विरुद्ध धारा 3 जुआ एक्ट तथा अन्य 19 आरोपियों के विरुद्ध धारा 4 जुआ एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

**आरोपियों की सूची-** 01.विनय चनपुरिया पिता स्व. वेदप्रकाश चनपुरिया, उम्र 43 वर्ष, निवासी रैपुरा जिला पन्ना, 02.महेश कुमार लोधी पिता राममिलन लोधी, उम्र 30 वर्ष, जिला कटनी, 03.धनीराम पटेल पिता लालजी पटेल, उम्र 36 वर्ष, जिला कटनी, 04.शंकर सिंह ठाकुर पिता गेंद सिंह ठाकुर, उम्र 40 वर्ष, जिला कटनी, 05.राकेश सिंह ठाकुर पिता खिलावन सिंह ठाकुर, उम्र 41 वर्ष, जिला कटनी, 06.रिजवान खान पिता रसीद खान, उम्र 29 वर्ष, जिला कटनी, 07.गंगाराम पटेल पिता गोविन्द पटेल, उम्र 34 वर्ष, जिला कटनी, 08.रोहणी तिवारी पिता मथुरा प्रसाद तिवारी, उम्र 48 वर्ष, जिला कटनी, 09.अरविन्द चैधरी पिता कृपाल चैधरी, उम्र 28 वर्ष, जिला पन्ना, 10.शाहिद ताज पिता शेख शाहिद, उम्र 36 वर्ष, जिला कटनी, 11.सनित जैन पिता शिखरचन्द्र जैन, उम्र 36 वर्ष, जिला कटनी, 12.सोनेलाल पटेल पिता सुंदरलाल पटेल, उम्र 31 वर्ष, जिला कटनी 13.भारत चैधरी पिता प्रहलाद चैधरी, उम्र 32 वर्ष, जिला कटनी, 14.शिवम सोनी पिता रामशंकर सोनी, उम्र 28 वर्ष, जिला कटनी, 15.अनिल कुमार लोधी पिता मूलचन्द्र लोधी, उम्र 32 वर्ष, जिला कटनी, 16.अजय सेन पिता मानिकलाल सेन, उम्र 28 वर्ष, जिला पन्ना 17.रामजी लोधी पिता माधव लोधी, उम्र 35 वर्ष, जिला कटनी, 18.संतोष चैधरी पिता दुखिया चैधरी, उम्र 42 वर्ष, जिला कटनी, 19.गणेश प्रसाद श्रीवास्तव पिता रामकृपाल श्रीवास्तव, उम्र 54 वर्ष, जिला कटनी, 20.बबलू चैधरी पिता मगना चैधरी, उम्र 30 वर्ष, जिला कटनी

**जप्त मशरूका विवरण-** नगदी- 1,73,300/- मोबाइल फोन- 19 नग (लगभग 1,83,500/-) वाहन- 01 चारपहिया एवं 06 दोपहिया (लगभग 10,50,000/-)

अन्य सामग्री- 52 ताश पत्ते कुल मशरूका- लगभग 14,06,800/- विशेष सराहनीय योगदान- इस सफल कार्यवाही में उपनिरीक्षक स्मिता सिंह बघेल, प्रधान आरक्षक बाबू सिंह, प्रधान आरक्षक रवि खरे, आरक्षक राजेश पटेल, आरक्षक राहुल सिंह, आरक्षक अवनीश गौतम, आरक्षक अतुल मेहरा, आरक्षक भागवत सिंह एवं महिला आरक्षक सुल्तान बी की विशेष एवं सराहनीय भूमिका रही।

# विकासखंड अजयगढ़ में शिक्षा की नई राह शत-प्रतिशत स्कूलों में अब क्रियाशील बालिका शौचालय

### जिपं सीईओ ने किया निरीक्षण

**पन्ना।**

नीति आयोग की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत पन्ना जिले का अजयगढ़ विकासखंड अब शिक्षा और स्वच्छता के मानकों में एक नई उपलब्धि हासिल कर चुका है। शिक्षा की गुणवत्ता और समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अजयगढ़ के शत-प्रतिशत विद्यालयों में अब बालिका शौचालय बनकर तैयार और क्रियाशील हो गए हैं। हाल ही में शासकीय प्राथमिक शाला बजरंगपुर में जिला और जनपद स्तरीय अधिकारियों ने नवनिर्मित बालिका शौचालय का अवलोकन और निरीक्षण किया। विदित हो कि आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम नीति आयोग द्वारा संचालित एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य देश के उन क्षेत्रों के विकास में तेजी लाना है, जो विभिन्न सामाजिक और आर्थिक मानकों पर अपेक्षाकृत पिछड़े हुए हैं। इस कार्यक्रम के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और कृषि जैसे क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जाता है। शिक्षा विभाग के लिए इसका एक अनिवार्य बिंदु प्रत्येक विद्यालय में बालिका शौचालय की उपलब्धता सुनिश्चित करना है, ताकि छात्राओं की शिक्षा में स्वच्छता से जुड़ी कोई बाधा न रहे। विद्यालयों में सुरक्षित और क्रियाशील बालिका शौचालय का होना केवल एक बुनियादी सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा में समानता और गरिमा का विषय है। कई बार स्वच्छता सुविधाओं के अभाव में छात्राओं को पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती है। इन शौचालयों के निर्माण से बालिकाओं की उपस्थिति में वृद्धि होगी, उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा और स्कूल में एक सुरक्षित व गरिमामय शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित हो सकेगा। यह कदम बालिकाओं को स्कूल में रोकने और उनकी शिक्षा को निरंतर बनाए रखने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस लक्ष्य को हासिल करने में प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी और मार्गदर्शन की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के निर्देशन और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अजयगढ़ की देखरेख में यह कार्य पूर्ण किया गया है। शासकीय प्राथमिक शाला बजरंगपुर में आयोजित निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, जनपद पंचायत सीईओ सतीश नागवंशी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी बी.डी. रजक, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक डॉ. अरविंद सिंह, उप यंत्री के.के. नायक, प्रधानाध्यापक कामता प्रसाद और जन शिक्षक योगेश त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस दौरान शाला प्रबंधन समिति द्वारा कराए गए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की सराहना की गई। इस संपूर्ण उपलब्धि में विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं जनपद शिक्षा केंद्र की टीम द्वारा निभाई गई भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। अधिकारियों द्वारा नियमित भ्रमण और जमीनी स्तर पर निगरानी ने न केवल कार्य की गति बढ़ाई, बल्कि निर्माण की गुणवत्ता को भी सुनिश्चित किया। आज अजयगढ़ के हर विद्यालय में क्रियाशील बालिका शौचालय का होना इस बात का प्रमाण है कि सही दिशा, पुख्ता योजना और जनभागीदारी से शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

### बैठक में की समीक्षा

जिला पंचायत सीईओ द्वारा जनपद पंचायत अजयगढ में समीक्षा बैठक भी ली गई। इसमें जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यों के संबंध में विस्तृत जानकारी लेकर मनरेगा अंतर्गत जल गंगा संवर्धन अंतर्गत क्रियान्वित कार्य जैसे खेत तालाब, डगवेल रिचार्ज की उपयंत्रीवार समीक्षा की गई एवं कार्यों को दो सप्ताह के अंदर पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया गया। समीक्षा बैठक में जनपद पंचायत के समस्त उपयंत्री सहित जनपद पंचायत सीईओ सतीश सिंह, परियोजना अधिकारी संजय सिंह परिहार, सहायक यंत्री प्रशांत नायक एवं एपीओ अमित यादव भी उपस्थित रहे।

### शांति व्यवस्था के साथ प्यास बुझाने में जुटी पवई पुलिस, थाना परिसर में निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था

**पन्ना।** जहां एक ओर पुलिस का नाम सुनते ही अपराधियों के हौसले पस्त हो जाते हैं, वहीं पवई पुलिस आमजन की सेवा में एक सराहनीय पहल करते हुए संवेदनशीलता और मानवता का परिचय दे रही है। थाना परिसर में आने वाले फरियादियों के साथ-साथ राहगीरों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारी सुशील कुमार अहिरवार द्वारा निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था शुरू की गई है, जो इस भीषण गर्मी में लोगों के लिए बड़ी राहत बनकर सामने आई है। विशेष बात यह है कि थाना परिसर के सामने ही बस स्टैंड स्थित होने के कारण यहां दिनभर लोगों की काफी भीड़ बनी रहती है। दूर-दराज से आने वाले यात्री, ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले नागरिक और राहगीर बड़ी संख्या में इस मार्ग से गुजरते हैं। ऐसे में प्याऊ की यह व्यवस्था न केवल थाने में आने वाले लोगों के लिए बल्कि बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित हो रही है। अब लोगों को पानी के लिए भटकना नहीं पड़ रहा और वे आसानी से अपनी प्यास बुझा पा रहे हैं। भीषण गर्मी के चलते जहां तापमान लगातार बढ़ रहा है, वहीं इस तरह की पहल आमजन के लिए राहत का माध्यम बन रही है।

### जेके कंपनी के ट्रालों से आये दिन हो रही दुर्घटनाएं यमराज बनकर दौड़ रहे ट्राला, काले नाग की तरह डस रहे लोगों की जिंदगी

**अमानगंज।** क्षेत्र अंतर्गत आने वाले तारा के समीप तेज रफ्तार जेके कंपनी के ट्रेला ने भैंस को जोरदार टक्कर मारी और भैंस की मौके पर मौत हो गई वही सामने से आ रही बोलेरो गाड़ी को भी कट मारा जिससे गाड़ी पटरी के नीचे खेत में जा घुसी देखा जाए तो जब से अमानगंज क्षेत्र में जेके कंपनी आई है तब से क्षेत्र का विकास कम विनाश जादा नजर आ रहा है इसके अलावा एक दिन पूर्व तारा के पास ही दूसरी घटना सामने आई थी जिसमें ऑटो में सवार लोगों को रौंदते हुए मौके से ट्राला फरार हो गया था ऑटो में सवार लोगों में से एक की दर्दनाक मौत हो गई थी और कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे जेके कंपनी के ट्रालो की आज तक ना तो गति धीमी हुई और ना ही ऐसा कोई रोकथाम हो पाया जब से जे के कंपनी अमानगंज क्षेत्र में आई है तब से मनचाहे बेजुबान जानवर एवं इंसानों की मौत हो चुकी है अब देखने वाली बात यह होगी आखिरकार इन पर कब तक लगाम लग पाएगी।

## खबर संक्षेप

### बस स्टैंड पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, शराबखोरी और यातायात नियम तोडने वालों पर चला अभियान

**छतरपुर।** जिले के चंदला थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने और असामाजिक तत्वों पर शिकंजा कसने के उद्देश्य से मंगलवार शाम चंदला थाना प्रभारी श्रद्धा शुक्ला ने विशेष अभियान चलाया। नवागत पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार बस स्टैंड क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

थाना प्रभारी श्रद्धा शुक्ला पुलिस बल के साथ अचानक बस स्टैंड पहुंचीं, जहां अवैध रूप से शराब पी रहे लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों को सख्त चेतावनी देते हुए सार्वजनिक स्थानों पर शराब सेवन न करने की हिदायत दी। इसके साथ ही आसपास के होटल संचालकों एवं दुकानदारों को बुलाकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि उनकी दुकानों के आसपास या अंदर शराबखोरी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि भविष्य में ऐसी गतिविधियां पाई गईं तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी कार्रवाई की गई। एक बाइक पर तीन-तीन लोगों के सवार मिलने पर चालानी कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई।

### सुरेंद्र सिंह सुसाइड मामले में करणी सेना का एसपी कार्यालय पर प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच का मिला आश्वासन

**छतरपुर।** सरानी गांव के निवासी सुरेंद्र सिंह की कोतवाली थाना में जहर खाने के बाद हुई मौत के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। इस घटना को लेकर बुधवार को करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में एकत्रित होकर एसपी कार्यालय का घेराव किया। लगभग दो से तीन घंटे तक चले इस हंगामे के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले में निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। स्थिति को बिगड़ता देख अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले ने करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष और मृतक के परिजनों से चर्चा की और उन्हें अब तक की गई जांच प्रक्रिया से अवगत कराया। करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष अनुराग प्रताप सिंह का कहना है कि सुरेंद्र सिंह की आत्महत्या के मामले में विधायक पुत्र और तत्कालीन कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी के नाम सामने आए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार को डर था कि उन पर दबाव बनाकर बयान लिए जा सकते हैं, इसलिए आज प्रशासन की मौजूदगी में सबके सामने बयान दर्ज कराए गए हैं। अनुराग प्रताप सिंह के अनुसार एएसपी ने भरोसा दिलाया है कि जांच पूरी निष्पक्षता से होगी और यदि टीआई या किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उन पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

# साड़ी की दुकान में दिनदहाड़े चोरी, रुपये लेकर फरार हुआ अज्ञात युवक, कैमरे में कैद हुआ चोर

हरपालपुर।

बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। सुरक्षा व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए एक अज्ञात युवक ने दिनदहाड़े एक साड़ी की दुकान को निशाना बनाया और गल्ले में रखे रुपये लेकर चंपत हो गया। यह पूरी वारदात दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। नगर में लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों ने स्थानीय व्यापारियों और आम जनता के बीच डर और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।जानकारी के अनुसार, पुरानी गल्ला मंडी निवासी राजीव रूसिया अपने घर के अगले हिस्से में साड़ी की दुकान संचालित करते हैं। मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे, राजीव किसी काम से दुकान छोड़कर कुछ देर के लिए घर के अंदर गए थे। इसी बीच दुकान को सूना पाकर एक अज्ञात युवक अंदर दाखिल हुआ और बड़ी फुर्ती से गल्ले का ताला खोलकर उसमें रखे 15,300 रुपये नकद बटोर लिए और फरार हो गया। जब दुकानदार वापस लौटे और गल्ले की स्थिति देखी, तो

उनके होश उड़ गए। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर आरोपी की करतूत साफ नजर आई, जिसे देख दुकानदार सन्न रह गए।

### व्यापारियों में आक्रोश, पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

घटना के तुरंत बाद राजीव रूसिया अन्य व्यापारियों के साथ थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत देते हुए सीसीटीवी फुटेज सौंपे। व्यापारियों का आरोप है कि नगर में चोरी की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा है, लेकिन पुलिस ठोस कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रही है। कुछ माह पूर्व एक सर्राफा दुकान से 40 से अधिक सोने-चांदी के आभूषणों से भरे बैगों की चोरी हुई थी, जिसका खुलासा पुलिस आज तक नहीं कर पाई है। पुरानी घटनाओं का सुराग न मिल पाना और नई वारदातों का बढऩा पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवालिया निशान लगा रहा है।

### सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग

स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की जल्द पहचान कर उसे गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, नगर के संवेदनशील इलाकों और बाजारों में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग सके। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फुटेज के जरिए संदिग्ध युवक की तलाश शुरू कर दी है।

## कलेक्टर ने सरकारी अस्पताल में खुद कराई ब्लड की जांच

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुवारा का औचक निरीक्षण करने पहुंचे कलेक्टर

छतरपुर। बड़ामलहरा अनुभाग अंतर्गत कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुवारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी वार्डों में पहुंचकर मरीजों को मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। कलेक्टर ने ओपीडी कक्ष में उपस्थिति पंजी का निरीक्षण कर डॉक्टरों की उपस्थिति का क्रॉस चेक किया। वहीं, केंद्र में सोनोग्राफी मशीन बंद पाए जाने पर उसे शीघ्र चालू कराने एवं आवश्यक ऑपरेटरों की नियुक्ति कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शौचालय में अस्वच्छता पाए जाने पर कलेक्टर ने नाराजगी जताते हुए नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित स्टाफ को दिए। उन्होंने लेबर रूम का भी निरीक्षण किया और जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लंबित भुगतान की स्थिति की जांच की। इस संबंध में नर्सिंग स्टाफ को व्यवस्थित रजिस्टर संधारण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने डिलीवरी के बाद महिला आरती अहिरवार के नवजात शिशु को दिए गए 'एट द बर्थ ट्रीटमेंट की भी रजिस्टर में जांच की। इस दौरान उन्होंने वैक्सीनेशन, कंगारू मदर केयर एवं कैल्शियम सहित अन्य आवश्यक सेवाओं की जानकारी ली। पैथोलॉजी लैब के निरीक्षण ने कलेक्टर ने टेस्ट सैंपल की जानकारी का रजिस्टर संधारित करने के निर्देश दिए। साथ ही मौके पर एक जांच समक्ष में कराकर देखी। इसके अलावा रिपोर्ट मरीज को कैसे प्राप्त होती प्रक्रिया की जानकारी ली।

## किसानों को उपार्जन केंद्रों पर नहीं हो असुविधा: कलेक्टर

भगवां और घुवारा के उपार्जन केंद्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

**छतरपुर।** कलेक्टर पार्थ जैसवाल द्वारा बुधवार को औचक निरीक्षण के क्रम में घुवारा, भगवां सहित अन्य उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने किसानों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल एवं छाया की व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने केंद्रों पर रखी गई गेहूं की गठानों एवं वारदानों की स्थिति की भी समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने तौल कांटों की संख्या बढ़ाने तथा परिवहन व्यवस्था को गति देने के लिए अधिक गाडियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और उपार्जन कार्य सुचारु रूप से चलता रहे। मौसम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने गेहूं को सुरक्षित रखने के लिए तिरपाल की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही वारदानों की संख्या बढ़ाने, परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा गेहूं की दोबारा छनाई कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने घुवारा अंतर्गत पनवारी उपार्जन केंद्र पर निरीक्षण के दौरान बारदाने की कमी मिलने पर तत्काल 2 घंटे में बारदाना भेजने निर्देश दिए। साथ ही किसानों को तौल पर्ची देने और स्लॉट के क्रम के अनुसार ही गेहूं तुलाई करने के दिए निर्देश। कलेक्टर ने 50 किलो 200 ग्राम ही मय बोरी की तौल करने के निर्देश दिए। साथ ही मॉइश्चयर मीटर नहीं मिलने एवं एफएक्यू मानकों का पालन नहीं करने पर सर्वेयर राकेश राजपूत तत्काल हटाने और समिति प्रबंधक दरवारी लाल अहिरवार की एक इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम बड़ामलहरा अखिल राठौर एवं तहसीलदार घुवारा आदित्य सोनकिया उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि गेहूं उठाव और परिवहन में लेटलतिफी न हो, और यदि ऐसा हुआ तो कार्यवाही की जाएगी। भगवां उपार्जन केंद्र पर गेहूं में छन्ना नहीं लगा मिलने पर समिति प्रबंधक को कलेक्टर ने फटकार लगाई और तौल की बोरियों की अलग-अलग कांटों से अपने सामने तुलवाया। इसके अलावा कलेक्टर ने उपज को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने किसानों से चर्चा कर उनके पंजीयन से फसल का मिलान भी किया।

## सड़क हादसे में जिंदा जले छतरपुर के दो युवक

# शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे घर

**छतरपुर।** बीती रात डबरा-ग्वालियर हाईवे पर हुए एक रूह कंपा देने वाले सड़क हादसे में तीन युवक जिंदा जल गए, इनमें से दो युवक छतरपुर के रहने वाले थे। बताया गया है कि युवकों की तेज रफ्तार स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई, जिसके बाद कार में लगी भीषण आग में युवक जिंदा जल गए।

मृतकों की पहचान छतरपुर निवासी अवधेश विश्वकर्मा (32) और रामजी सोनी (33) के रूप में हुई है, जो रात करीब 2 बजे एक शादी समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। आशंका जताई जा रही है कि कार चला रहे अवधेश को नींद आ गई, जिससे गाड़ी अनियंत्रित होकर 11 केवी के बिजली के खंभे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा टूट गया और बिजली के हाई-वोल्टेज तार कार पर गिर गए। इसी दौरान कार पलट गई और उसमें आग लग गई। हादसे के वक्त कार में शादी समारोह से बचे हुए कुछ पटाखे भी रखे थे। जैसे ही बिजली के तारों से निकली चिंगारी और टक्कर के घर्षण से आग भड़की, पटाखों ने उसे और भी विकराल बना दिया। कार के आगे के दरवाजे लॉक हो जाने के कारण अवधेश और रामजी अंदर ही फंस गए और

उन्हें बाहर निकलने का मौका नहीं मिल सका। वहीं, पीछे की सीट पर बैठा एक अन्य युवक अविनाश झा कार से बाहर निकलने में सफल रहा, जिससे उसकी जान बच गई।

### दोस्त ने किया जान बचाने का भरसक प्रयास

प्रत्यक्षदर्शियों और अविनाश ने आग बुझाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन आग इतनी भयावह थी कि कोई भी कार के पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा सका। देखते ही देखते कार आग के गोले में तब्दील हो गई और दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुँची पुलिस और फायर ब्रिगेड जब तक आग पर काबू पाती, तब तक कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी और अंदर केवल कंकाल ही शेष बचे थे। इस भीषण हादसे की खबर मिलते ही छतरपुर में शोक की लहर दौड़ गई है। मृतक अवधेश विश्वकर्मा फाइनेंसिंग का काम करते थे। उनकी शादी महज दो साल पहले हुई थी और उनका 9 महीने का एक छोटा बेटा है। वहीं, रामजी सोनी शहर के जाने-माने सोने-चांदी के व्यापारी थे। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

## कांग्रेस ने दीपांशु यादव को दी बड़ी जिम्मेदारी बने जिला कांग्रेस कमेटी छतरपुर के महासचिव

छतरपुर।

जिला कांग्रेस कमेटी में संगठन को मजबूती प्रदान करने और युवाओं को आगे लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। झिकमऊ निवासी दीपांशु यादव को जिला कांग्रेस कमेटी का महासचिव नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार एवं जिला अध्यक्ष गगन यादव की अनुशंसा पर की गई है, जिससे कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

दीपांशु यादव को यह बड़ी जिम्मेदारी पार्टी के प्रति उनके निरंतर समर्पण, जमीनी स्तर पर सक्रियता और संघर्षशील कार्यशैली को देखते हुए सौंपी गई है। हाल ही में घोषित 52 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी में उन्हें महासचिव के रूप में शामिल करना, संगठन में उनके बढ़ते कद और नेतृत्व क्षमता पर शीर्ष नेतृत्व के भरोसे को दर्शाता है। संगठन को पूर्ण विश्वास है कि दीपांशु यादव के नेतृत्व में कांग्रेस की नीतियां जन-जन तक पहुंचेंगी और आगामी समय में पार्टी का आधार और अधिक सशक्त होगा। इस नियुक्ति पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। दीपांशु यादव को शुभकामनाएं देते हुए समर्थकों ने उम्मीद जताई है कि वे युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोडऩे और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। दीपांशु यादव ने इस जिम्मेदारी के लिए शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

## लापता बुजुर्ग महिला को पुलिस ने 24 घंटे में खोजा

छतरपुर।

बमीठा पुलिस ने एक बार फिर अपनी कार्यकुशलता और मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया है। पुलिस ने बागेश्वर धाम में उमडऩे वाली हजारों-लाखों की भीड़ के बीच से एक 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को महज 24 घंटे के भीतर सुरक्षित ढूंढ निकाला और उन्हें उनके परिवार से मिलाया।

मामला 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला मुन्नी भटनागर से जुड़ा है, जो परिजनों (बच्चों) की किसी बात पर हुई डांट से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थीं। काफी खोजबीन के बाद जब वे नहीं मिलीं, तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका के चलते बमीठा थाने में सूचना दी। थाना प्रभारी वाल्मीक चौबे ने बताया कि सबसे बड़ी चिंता यह थी कि बागेश्वर धाम में इन दिनों श्रद्धालुओं का भारी सैलाब उमड़ रहा है, जहाँ किसी गुमशुदा को ढूंढना कठिन कार्य था। मामले को गंभीरता से लेकर तत्काल पुलिस की विशेष टीमें गठित कर सर्च अभियान शुरू किया। पुलिस ने श्रद्धालुओं के बीच, विश्राम स्थलों और धाम के चप्पे-चप्पे पर बुजुर्ग महिला की तलाश की। कड़ी मशक्कत और तकनीकी इनपुट के बाद पुलिस टीम ने मुन्नी भटनागर को भीड़ के बीच से सुरक्षित बरामद कर लिया।

### शादी टूटी तो पुलिस से न्याय की गुहार लगाने पहुंची पीड़ित युवती

## शादी के दिन ही दूल्हे के पास पहुँच गया दुल्हन का आपत्तिजनक वीडियो

**छतरपुर।** गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में एक सिरफिरे आशिक की घिनौनी करतूत के कारण एक युवती का घर बसने से पहले ही उजड़ गया। शादी के पवित्र दिन, जब घर में शहनाइयां गूंज रही थीं, तभी आरोपी ने एक आपत्तिजनक वीडियो दूल्हे और उसके परिजनों को भेज दिया। इस कृत्य के चलते न केवल विवाह टूट गया, बल्कि पीड़िता और उसके परिवार को भारी सामाजिक अपमान और आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा है।

घटना गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र की है, जहां पीड़िता ने अपनी आपबीती सुनाते हुए पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। युवती के अनुसार, करीब दो साल पहले उसकी पहचान अखिलेश अहिरवार नाम के युवक से हुई थी। आरोप है कि उसी दौरान आरोपी ने जबरदस्ती कर युवती का एक आपत्तिजनक वीडियो बना लिया था। इसके बाद से ही आरोपी उस वीडियो के आधार पर युवती को लगातार ब्लैकमेल कर रहा था और उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। लोक-लाज और सामाजिक डर के कारण पीड़िता लंबे समय तक चुप रही, लेकिन आरोपी की दरिंदगी तब सामने आई जब युवती की शादी तय हुई। जिस दिन बारात आनी थी, उसी दिन अखिलेश ने वह वीडियो दूल्हे और ससुराल पक्ष के मोबाइल पर भेज दिया, जिससे रिश्ता तत्काल टूट गया। इस घटना ने न केवल युवती के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है, बल्कि परिवार को लगभग 6 से 7 लाख रुपये का आर्थिक नुकसान भी हुआ है, जो शादी

की तैयारियों में खर्च किए गए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए गढ़ी मलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर आरोपी के खिलाफ सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है। थाना प्रभारी के अनुसार, आरोपी ने जानबूझकर शादी तोडने की नीयत से यह वीडियो प्रसारित किया है। वहीं, इस मामले में एडिशनल एसपी आदित्य पटले का कहना है कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस की टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं। विवेचना जारी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। पुलिस ने इस घटना को डिजिटल माध्यमों के दुरुपयोग के प्रति एक चेतावनी बताया है और युवाओं से सतर्क रहने की अपील की है।

## 12 वर्षीय बालक की पोखर तलैया में डूबने से मौत

**लवकुशनगर।** जुझारनगर थाना अंतर्गत ग्राम ज्योराहा में एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालक की पोखर में डूबने से मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नैतिक साहू (12) पिता ब्रजेन्द्र साहू, जो कक्षा 3 पास था, बुधवार दोपहर करीब 3 बजे घर से निकला था। गांव के पास श्मशान घाट के समीप बनी पोखर तलैया में अचानक डूब जाने से उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हाल ही में तलैया की खुदाई की गई थी, जिससे उसकी गहराई करीब 40 से 50 फीट तक हो गई थी। इसके बावजूद वहां किसी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था या प्रतिबंधित क्षेत्र नहीं बनाया गया था, जिससे बच्चे आसानी से वहां पहुंच जाते थे। घटनास्थल पर बालक की चप्पल और पानी की बोतल मिली है। आशंका जताई जा रही है कि नैतिक पानी भरने के लिए पोखर के पास गया था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। पास में मौजूद एक छोटे बच्चे ने उसे डूबते देखा और शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजकुमार यादव, आरक्षक शुभम सेन, उमेश वर्मा सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। तत्काल सर्च अभियान चलाकर बालक को बाहर निकाला गया और पुलिस वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### विरोध के बीच 20 लाख का हाई-क्वालिटी तार चोरी

## फिर थमा केन-बेतवा लिंक परियोजना का कार्य

**छतरपुर।** सरकार की महत्वाकांक्षी केन-बेतवा लिंक परियोजना के अंतर्गत बन रहे ढौंढऩ बांध के कार्य में एक बड़ी बाधा और आर्थिक चपत का मामला सामने आया है। बमीठा 132 केवी विद्युत स्टेशन से ढोडन बांध तक खींची जा रही विशेष हाई-क्वालिटी विद्युत लाइन का काम एक किसान के विरोध के कारण रुकने से चोरों को मौका मिल गया। अज्ञात चोरों ने पांच दिनों के भीतर करीब 20 लाख रुपये मूल्य का कीमती तार काटकर पार कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढौंढऩ बांध को बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बमीठा से 33 केवी लाइन के स्थान पर बेहतर

गुणवत्ता वाली 68 केवी क्षमता की लाइन खींची जा रही है। यह कार्य अपने अंतिम दौर में है, लेकिन ईमलहा गांव के पास एक किसान ने अपने खेत से लाइन निकलने का विरोध करते हुए पिछले पांच दिनों से काम रुकवा रखा है। किसान का तर्क है कि उसके खेत से तार निकलने से उसकी जमीन और फसल का भारी नुकसान हो रहा है। इसी गतिरोध का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने सूने पड़े कार्यस्थल को निशाना बनाया। चोरों ने 10 खंभों पर लगी तीन लाइनों के कुल 2100 मीटर तार काटकर चोरी कर लिए। अधिकारियों के अनुसार, चोरी हुए तार की कीमत लगभग 20 लाख रुपये है।

### ग्रामीणों ने अधिकारियों को फिर लौटाया

वहीं दूसरी ओर केन-बेतवा लिंक परियोजना के अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि किसानों के परिजनों ने आज भी अधिकारियों और कर्मचारियों को काम शुरू नहीं करने दिया और उन्हें खेत से वापस लौटा दिया। परियोजना का काम पहले ही महत्वपूर्ण चरण में है और इस तरह के विरोध व इतनी बड़ी चोरी के कारण ढौंढऩ बांध के निर्माण कार्यों में देरी होने की आशंका बढ़ गई है। वर्तमान में बमीठा पुलिस और परियोजना के उच्च अधिकारी मामले को सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने चोरी की शिकायत दर्ज कर संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है, वहीं किसान को समझाने के लिए भी प्रशासनिक स्तर पर बातचीत की जा रही है ताकि राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना का कार्य समय पर पूर्ण हो सके।

## खबर संक्षेप

### कलेक्टर ने दो लापरवाह अधीक्षकों की रोकी वेतनवृद्धि

**रीवा।** कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने दो लापरवाह अधीक्षकों की दो वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकने के आदेश दिए हैं। जारी अलग-अलग आदेशों में अनुसूचित जनजाति कन्या आश्रम फूल की अधीक्षिका मैनाबाई साकेत एवं अनुसूचित जनजाति बालक आश्रम लालगांव के अधीक्षक गणेश प्रसाद शुक्ला की वेतन वृद्धियाँ रोकने की कार्रवाई की गई है। इस संबंध में कलेक्टर ने बताया है कि कन्या आश्रम फूल का निरीक्षण करने पर श्रीमती साकेत बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाई गईं तथा संस्था में ताला बंद पाया गया। इसी तरह बालक आश्रम लालगांव के आकस्मिक निरीक्षण में अधीक्षक शुक्ला बिना किसी पूर्व सूचना के अनुपस्थित पाए गए। इसे गंभीर कदाचारण तथा कर्तव्यों के प्रति लापरवाही मानते हुए इन्हें कारण बताओ नोटिस दिया गया। नोटिस का संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने पर वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश सिविल सेवा वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत की गई है।

### मझियार खरीदी केंद्र में भ्रष्टाचार का आरोप

**रीवा।** जिले के सेवा सहकारी समिति खरीदी केन्द्र मझियार से जुड़ा एक गंभीर मामला सामने आया है। यहां पदस्थ सहायक संगठन अखंड सिंह पर किसानों से धान खरीदी के नाम पर अवैध रूप से पैसे मांगने के आरोप लगे हैं। बताया जा रहा है कि इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट रूप से पैसे मांगने की आवाज सुनाई दे रही है। वीडियो के सामने आने के बाद किसानों में आक्रोश व्याप्त है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। किसानों का आरोप है कि खरीदी प्रक्रिया में अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है और बिना पैसे दिए कार्य नहीं किया जा रहा। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह किसानों के हितों के साथ सीधा खिलवाड़ माना जाएगा। वहीं, संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। रीवा कलेक्टर से भी कार्रवाई की मांग किसानों ने की है। मामला गंभीर है। जिसम जिसमे जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाना चाहिए , ताकि खरीदी केंद्रों में पारदर्शिता बनी रहे।

### कमिश्नर 8 मई को करेंगे समीक्षा

**रीवा।** कमिश्नर बीएस जामोद 8 मई को कमिश्नर कार्यालय सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में जिले में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण की समीक्षा करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा एनएचएआई द्वारा बनाई जा रही सड़कों की समीक्षा की जाएगी।

### चंद मिनटों की बारिश में रीवा की सड़कों पर भरा पानी

**रीवा।** मंगलवार शाम हुई चंद मिनटों की बारिश ने रीवा नगर निगम की तैयारियों की हकीकत सामने ला दी। शहर के मुख्य चौराहों से लेकर वार्डों तक जलभराव की स्थिति बन गई। कॉलेज चौराहे समेत कई इलाकों में सड़कों पर पानी भरने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।*कॉलेज चौराहे पर धीमी हुई रफ्तार* तेज बारिश के बाद कॉलेज चौराहे पर सड़क पर पानी भर गया। हालांकि हालात ऐसे नहीं थे कि वाहन निकल न सकें, लेकिन जलभराव और फिसलन के चलते वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई। राहगीरों और दोपहिया चालकों को संभलकर निकलना पड़ा।*वार्डों में नालियों के ऊपर से बहा पानी* मुख्य सड़कों के अलावा कई वार्डों में भी नालियों के ऊपर से पानी बहने लगा। नालियों से पानी की निकासी धीमी होने के कारण गलियों में पानी जमा हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन पहली बारिश में ही व्यवस्था लड़खड़ा गई।

# 3 साल के नन्हे ने रचा इतिहास: रीवा के अभिराज का वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम

## 16 सेकंड में कठिन शब्दों का उच्चारण, नन्हे अभिराज ने दुनिया को चौंकाया

### शब्द, वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम 1150 सवालों के जवाब और 52 देशों की राजधानियां याद

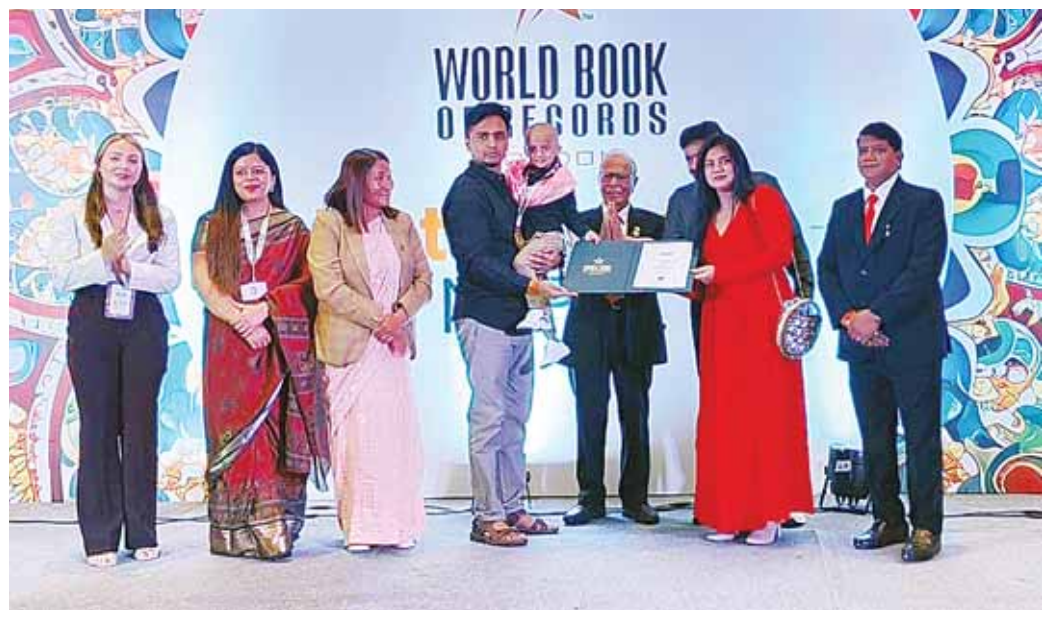


**रीवा।**

विंध्य क्षेत्र एक बार फिर अपनी अद्भुत प्रतिभा के कारण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में है। रीवा जिले के सेमरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बकिया गांव के रहने वाले महज 2 साल 11 महीने के नन्हे अभिराज तिवारी ने वह कर दिखाया है, जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। अभिराज ने इंग्लिश डिक्शनरी के सबसे लंबे और कठिन शब्दों का मात्र 16 सेकंड में सटीक उच्चारण कर लंदन की वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। इतनी कम उम्र में इस तरह का प्रदर्शन अभिराज को देशभर में खास पहचान दिला रहा है। स्थानीय लोग उसे अब रीवा का गूगल बॉय कहकर पुकार रहे हैं। जहां आमतौर पर बच्चे इस उम्र में बोलना और सामान्य शब्द सीखना शुरू करते हैं, वहीं अभिराज ने कठिन अंग्रेजी शब्दों पर ऐसी पकड़ बनाई कि उसने रिकॉर्ड ही बना दिया। जिन शब्दों को बोलने में बड़े-बड़ों को कठिनाई होती है, उन्हें अभिराज ने बिना किसी झिझक और गलती के बेहद कम समय में बोलकर सबको चौंका दिया।इस उपलब्धि के लिए उसे रिकॉर्ड की आर वन कैटेगरी में स्थान मिला है, जो कम समय में सबसे लंबे और कठिन शब्दों के उच्चारण के लिए दी जाती है। अभिराज की प्रतिभा सिर्फ इंग्लिश शब्दों तक सीमित नहीं है। उसकी याददाश्त और समझ इतनी तेज है कि वह 1150 सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के उत्तर तुरंत दे देता है 52 देशों की राजधानियां करीब 20 सेकंड में सुना देता है 70 से अधिक जानवरों और 52 पक्षियों की पहचान करता है 36 देशों के झंडों को पहचानने में सक्षम है सोलर सिस्टम, 8 ग्रह और 40 मानव शरीर के अंगों की जानकारी रखता है शतरंज की बिसात और मोहरों को भी पहचानता है इतना ही नहीं, अभिराज को हनुमान चालीसा और संस्कृत के कई श्लोक भी कंठस्थ हैं।स्कूल से पहले ही बना चैंपियन हैरानी की बात यह है कि इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले अभिराज का अभी तक किसी स्कूल में एडमिशन भी नहीं हुआ है। उसने यह मुकाम केवल घर पर मिली शिक्षा और अपनी तेज समझ के दम पर हासिल किया है। मां बनी पहली गुरु, खेल-खेल में दी शिक्षाअभिराज की मां आकांक्षा तिवारी, जो योगा प्रशिक्षक हैं, ने ही उसकी प्रतिभा को सबसे पहले पहचाना। उन्होंने बताया कि जब अभिराज सिर्फ 1 साल का था, तभी से उसे ह्यूमन बॉडी पार्ट्स और बेसिक जानकारी सिखाई जाने लगी थी। वह जो भी सिखाया जाता, तुरंत सीख लेता था। धीरे-धीरे उसकी रुचि बढ़ती गई और उसने खुद ही कठिन शब्दों को बोलना शुरू कर दिया, अभिराज के पिता रामकृष्ण तिवारी, जो भेल में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं, अपने बेटे की उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि सही दिशा और प्रोत्साहन मिलने से बच्चे अपनी असली क्षमता दिखा सकते हैं।अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिला सम्मान30 अप्रैल 2026 को नेपाल की राजधानी काठमांडू में आयोजित एक कार्यक्रम में अभिराज को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सम्मानित किया गया। इस दौरान लंदन की प्रतिष्ठित संस्था द्वारा उसे वर्ल्ड रिकॉर्ड का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। अभिराज का नाम इंडियन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स (IBR), इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, इन्फ्लुएंसर बुक ऑफ रिकॉर्ड्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड संस्थाओं में भी दर्ज किया जा चुका है।रेडक्रॉस ने किया सम्मानित भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी रीवा के अंतर्गत विश्व रेडक्रॉस दिवस सप्ताह 2 मई से 8 तक मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 5 मई को क्षय रोग से ग्रसित मरीजों के सहायतार्थ उन्हें पोषण आहार का वितरण विजय चौधरी एवं अन्य को किया गया साथ ही उन्हें अपने स्वस्थ के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम को अध्यक्षता डॉ प्रभाकर चतुर्वेदी चेयरमैन रेडक्रॉस द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ प्रभाकर द्वारा कहा गया कि सभी क्षय रोगी अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, एवं खान पान का विशेष ध्यान रखें जिससे जल्द से जल्द पूर्ण स्वस्थ हो सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान तीन वर्षीय विश्व रिकॉर्डधारी मास्टर अविराज के परिवार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित होकर सभी का उत्साहवर्धन किया गया। रेडक्रॉस द्वारा मास्टर अविराज को मोमेंटो और मिठाई देकर सम्मानित किया गया।

# अवैध खनन परिवहन पर सख्ती जांच अभियान में दो वाहन जप्त

**रीवा 1**

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी रीवा के निर्देशन में जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी है खनिज उप संचालक दीपमाला तिवारी के मार्गदर्शन एवं खान की निरीक्षक आरती सिंह के नेतृत्व में जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन को लेकर सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है 1 इसी कड़ी में रीवा रायपुर कचौलियां हाईवे पर खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की संघा जांच की गई, जांच के दरमियान तो हाईवा वाहन बिना

वैधानिक दस्तावेजों के खनिज गिट्टी का परिवहन करते हुए पाए जाने पर जप्ती की कार्रवाई की गई 1 बिना दस्तावेजों के परिवहन करने वाले जप्त वाहनों को पुलिस थाना रायपुर कर्चुलियान में सुरक्षित खड़ा कराया गया 1 अवैध परिवहन मे जप्त दोनों वाहनो के संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण का निवारण नियम 2022 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए गए जिन्हें जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा 1 जिला प्रशासन ने स्पष्ट संकेत किया है कि अवैध खनन एवं परिवहन किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जावेगा 1 खनिज विभाग के उपसंचालक दीपमाला तिवारी के मार्गदर्शन एवं खनिज निरीक्षक आरती सिंह के नेतृत्व में सतत निगरानी रखी जा रही है एवं दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

## रीवा रेलवे स्टेशन की लिफ्ट बनी कैदखाना, 3 घंटे तक फंसे रहे यात्री, मेंटेनेंस और मॉनिटरिंग सिस्टम की खुली पोल

**रीवा।**

रीवा रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक चौंकाने वाली घटना ने रेलवे प्रबंधन की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी। यात्रियों की सुविधा के लिए लगाई गई लिफ्ट अचानक खराब हो गई और उसमें सवार कई लोग करीब तीन घंटे तक अंदर फंसे रहे। इस दौरान लिफ्ट के भीतर मौजूद यात्रियों ने घुटन, घबराहट और डर के साए में हर पल बिताया। जानकारी के अनुसार, लिफ्ट अचानक बीच रास्ते में रुक गई। शुरुआत में यात्रियों को लगा कि यह मामूली तकनीकी खराबी होगी और कुछ ही मिनटों में लिफ्ट चालू हो जाएगी, लेकिन समय बीतने के साथ स्थिति बिगड़ती गई। बंद लिफ्ट

में फंसे लोगों को न तो पर्याप्त हवा मिल पा रही थी और न ही बाहर से तुरंत कोई मदद पहुंची। लिफ्ट के अंदर मौजूद लोगों ने बताया कि जैसे-जैसे समय बढ़ता गया, सांस लेना मुश्किल होने लगा। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के लिए स्थिति और ज्यादा गंभीर हो गई। कुछ यात्रियों ने दरवाजा खोलने की कोशिश भी की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इस दौरान कई लोग लगातार मदद के लिए आवाज लगाते रहे। घटना के दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों की आवाजाही सामान्य रूप से चलती रही, लेकिन लिफ्ट में फंसे लोगों की परेशानी पर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया। बता दे करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद रेलवे कर्मचारियों और तकनीकी टीम ने लिफ्ट को खोला और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हालांकि इस दौरान कोई शारीरिक नुकसान नहीं हुआ, लेकिन मानसिक रूप से लोग काफी भयभीत नजर आए। रीवा रेलवे स्टेशन की यह घटना एक बड़ी चेतावनी है कि सिर्फ सुविधाएं उपलब्ध कराना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उनकी निगरानी, रखरखाव और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है।

## राष्ट्रीय महत्व के जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें - कलेक्टर

### प्रगणक और नगर निगम की टीम मिलकर मकानों की नम्बरिंग करें

**रीवा।** कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी प्रगणक प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को आत्मसात करके शासन के निर्देशों के अनुरूप मकानों की सूची बनाएं। सभी प्रगणक आज ही ऐप को लॉगिन करके कम से कम एक मकान की जानकारी दर्ज करें। आयुक्त नगर निगम मकानों में नम्बर डालने, नजरी नक्शा और जनगणना ब्लाक की सीमाओं की विसंगति को दो दिवस में ठीक कराएं। नगर निगम के जोनल अधिकारी और सुपरवाइजर जनगणना कार्य की ठीक से मानीटरिंग करें। प्रगणक को किसी भी तरह की कठिनाई होने पर उसका तत्काल निदान कराएं। मकान सूचीकरण का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मकानों में नम्बर दर्ज करने में की गई त्रुटियों में सुधार करते हुए मकानों का सर्वे शुरू करें। प्रगणक अपने जनगणना ब्लाक के सेटेलाइट से बनाए गए नक्शे को सीमा मानते हुए उसमें शामिल सभी मकानों की सूची तैयार करें। जनगणना कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बरतने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि अब तक जनगणना कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं है। सभी प्रगणकों को तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण में हर बिन्दु की विस्तृत जानकारी दी गई थी। प्रशिक्षण में रूचि न दिखाने के कारण मकानों के सूचीकरण में कठिनाई आ रही है। सभी प्रगणक और सुपरवाइजर मन लगाकर जनगणना का कार्य करें। जनगणना से प्राप्त जानकारी देश के विकास योजनाओं के निर्माण का आधार है। पूरी जिम्मेदारी और तत्परता से जनगणना करें। बैठक में नवागत आयुक्त नगर निगम अक्षत जैन ने कहा कि मकानों के नम्बर, नजरी नक्शे और सेटेलाइट मैप में जो विसंगतियाँ हैं उसे समन्वय से दूर करें। नगर निगम के उपयंत्री और वार्ड दरोगा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा प्रगणक मिलकर दो दिन में घर-घर जाकर मकानों में सही नम्बरिंग करें। इस सूची को ऐप में अपलोड कराएं। जनगणना ऐप को लॉगिन कर कम से कम एक घर की जानकारी आज ही दर्ज कराएं। किसी भी प्रगणक को यदि मकानों की सूची बनाने में कठिनाई आ रही है तो वह नगर निगम कार्यालय में संपर्क करके पूरी जानकारी प्राप्त कर सकता है। नगर निगम के जोनल अधिकारी तथा प्रभारी अधिकारी भी जिम्मेदारी के साथ जनगणना की मानीटरिंग करें। बैठक में मुख्य प्रशिक्षक शशिकांत शुक्ला ने मकानों के सूचीकरण की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में डिप्टी कलेक्टर तथा प्रभारी जनगणना अधिकारी आरके सिन्हा, उपायुक्त नगर निगम प्रकाश द्विवेदी, सभी जोनल अधिकारी, सुपरवाइजर तथा प्रगणक उपस्थित रहे।

**राष्ट्रीय महत्व के जनगणना कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें** - कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। सभी प्रगणक प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को आत्मसात करके शासन के निर्देशों के अनुरूप मकानों की सूची बनाएं। सभी प्रगणक आज ही ऐप को लॉगिन करके कम से कम एक मकान की जानकारी दर्ज करें। आयुक्त नगर निगम मकानों में नम्बर डालने, नजरी नक्शा और जनगणना ब्लाक की सीमाओं की विसंगति को दो दिवस में ठीक कराएं। नगर निगम के जोनल अधिकारी और सुपरवाइजर जनगणना कार्य की ठीक से मानीटरिंग करें। प्रगणक को किसी भी तरह की कठिनाई होने पर उसका तत्काल निदान कराएं। मकान सूचीकरण का कार्य तय समय सीमा में पूरा कराएं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मकानों में नम्बर दर्ज करने में की गई त्रुटियों में सुधार करते हुए मकानों का सर्वे शुरू करें। प्रगणक अपने जनगणना ब्लाक के सेटेलाइट से बनाए गए नक्शे को सीमा मानते हुए उसमें शामिल सभी मकानों की सूची तैयार करें।

# शैलेन्द्र सिंह चौहान ने पुष्पगुच्छ देकर किया स्वागत

## जिले के नवागत पुलिस कप्तान डॉ गुरुकरण सिंह ने संभाली कमान

### कभी गोविंदगढ़ के थाना प्रभारी थे, अब जिला सम्हालेंगे,कहा ड्रग्स का जाल सभी एजेंसियों के साथ मिलकर नष्ट करेंगे

**रीवा।**

जिले के नवागत पुलिस कप्तान 2014 बैच के आईपीएस अधिकारी गुरुकरण सिंह ने बुधवार को रीवा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पद का विधिवत कार्यभार संभाल लिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने पूर्व एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान से सौजन्य भेंट कर जिले की कानून-व्यवस्था, लंबित मामलों और पुलिसिंग से जुड़ी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। पदभार संभालते ही नवागत एसपी गुरुकरण सिंह ने अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखना, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना और विशेष रूप से ड्रग्स व अन्य मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्ती से रोक लगाना उनका मुख्य उद्देश्य रहेगा। उन्होंने आम जनता से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि पुलिस और समाज के बीच बेहतर समन्वय से ही अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है।11 साल बाद रीवा वापसी, पहले रह चुके हैं थाना प्रभारीएसपी गुरुकरण सिंह ने बताया कि यह उनके लिए भावनात्मक क्षण है, क्योंकि करीब 11 वर्ष पूर्व वर्ष 2015-16 में वे प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में रीवा जिले में पदस्थ रहे थे और गोविंदगढ़ थाना प्रभारी के तौर पर जिम्मेदारी

निभा चुके हैं। वह मूलतः पंजाब के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में जिले में काफी बदलाव आया है और अब नई चुनौतियों के अनुरूप रणनीति बनाकर कार्य किया जाएगा।कई जिलों का अनुभव, साइबर क्राइम में भी रही अहम भूमिकानवागत एसपी ने अपने पूर्व अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे इससे पहले नर्मदापुरम, दतिया और नरसिंहपुर जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में सेवाएं दे चुके हैं। इसके अलावा भोपाल में एसपी साइबर क्राइम के पद पर रहते हुए उन्होंने तकनीकी अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही की है। हाल ही में उनका तबादला जावरा से रीवा किया गया है।पुलिस बल की कमी और ट्रैफिक व्यवस्था प्रमुख चुनौतीपूर्व एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने नवागत कप्तान को जिले की मौजूदा स्थिति से अवगत कराते हुए बताया कि रीवा संभागीय मुख्यालय होने के बावजूद यहां पुलिस बल की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। उन्होंने सुझाव दिया कि नई भर्ती के जवानों की तैनाती रीवा में की जाए, जिससे कानून-व्यवस्था को और मजबूती मिल सके। ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि शहर में बढ़ते दबाव के चलते बेहतर रोड प्लानिंग, ट्रैफिक इंजीनियरिंग और आधारभूत ढांचे पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है।डीआईजी पद पर पदोन्नत होकर भोपाल हुए स्थानांतरितगौरतलब है कि पूर्व एसपी शैलेंद्र सिंह चौहान का हाल ही में डीआईजी पद पर प्रमोशन हुआ है और उनकी नई पदस्थापना भोपाल में की गई है। विदाई से पूर्व मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल को संतोषजनक बताते हुए कहा कि टीम के सहयोग से कई महत्वपूर्ण मामलों में सफलता मिली और अपराध नियंत्रण में सकारात्मक परिणाम सामने आए।टीम वर्क को बताया सफलता की कुंजीचौहान ने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति टीम वर्क के बिना संभव नहीं है। उन्होंने रीवा की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यहां का अनुभव उनके भविष्य के कार्यों में मार्गदर्शक साबित होगा। नवागत एसपी गुरुकरण सिंह के आगमन के साथ ही जिले में कानून-व्यवस्था को लेकर नई उम्मीदें जगी हैं।

## कलेक्टर ने ग्रामीण विकास के कार्यों की समीक्षा की

**मऊगंज।** कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि ग्रामीण अंचल में चल रहे कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पंचायतों में चल रहे पुराने और लंबित निर्माण कार्य पूरे कराएं। इन कार्यों को समय-समय पर मॉनिटरिंग कर तत्काल पूर्ण कराएं। इन्हें पूरा न करने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीण विकास के कार्यों का लाभ जनता को तभी मिलेगा जब वे समय पर पूरे होंगे। कलेक्टर ने 'अमृत सरोवर' योजना की प्रगति की भी जानकारी ली और शेष बचे सिविल कार्यों को शीघ्रता से निपटाने के निर्देश दिए। वहीं धरती आबा अभियान के अंतर्गत पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को लेकर उन्होंने संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवंटित आवासों के हितग्राहियों को दी जाने वाली किश्तें और राशि बिना किसी विलंब के उनके बैंक खातों में स्थानांतरित की जाए, ताकि आवास निर्माण की गति बाधित न हो। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने कहा कि सभी आंगनवाड़ियों, सामुदायिक एवं पंचायत भवनों, शासकीय स्कूलों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में रूफ-टॉप वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के कार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संरक्षण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह कार्य भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून से पूर्व यह कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए, ताकि वर्षा जल का संचयन प्रभावी ढंग से हो सके। बैठक में सभी जनपद सीईओ तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

## प्रगणकों को सही जानकारी देकर नागरिक अपना दायित्व निभाएं - कलेक्टर

**मऊगंज।** कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी संजय कुमार जैन ने नागरिकों से अपील की है कि जब प्रगणक उनके घर आएं तो वह सही जानकारी देकर अपना दायित्व निभाएं। जनगणना के दौरान अधिकारी आपसे केवल सामान्य एवं आधारभूत जानकारी ही प्राप्त करेंगे, जैसे कि आपके मकान/भवन का प्रकार,परिवार में कुल सदस्यों की संख्या परिवार के मुखिया का नाम, नल कनेक्शन, बिजली कनेक्शन की उपलब्धता शौचालय एवं बाथरूम की स्थिति गैस कनेक्शन की जानकारी रेडियो, टीवी, केबल कनेक्शन जैसी सुविधाएं, साइकिल, मोटरसाइकिल या कार जैसी परिसंपत्तियां, परिवार द्वारा उपभोग किया जाने वाला मुख्य खाद्यान्न, मोबाइल नंबर, इन जानकारियों का उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों और सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए किया जाएगा। जनगणना के दौरान आधार कार्ड नंबर, पैन कार्ड नंबर, बैंक खाता या वित्तीय जानकारी, किसी भी प्रकार का ओटीपी जैसी संवेदनशील जानकारी कभी भी नहीं पूछी जाएगी, इसलिए नागरिक विशेष सतर्कता बरतें। यदि कोई व्यक्ति इस प्रकार की जानकारी मांगता है, तो सावधान रहें और तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। जानकारी देने से पहले अधिकारी/कर्मचारी का पहचान पत्र अवश्य जांच लें। केवल अधिकृत सरकारी कर्मियों को ही जानकारी प्रदान करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

## रीवा डाक संभाग में 8 एवं 9 मई को चलेगा आधार महाअभियान

**रीवा।** रीवा संभाग में नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए डाक विभाग द्वारा 8 मई और 9 मई को विशेष आधार महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक आधार से जुड़ी सेवाएं पहुंचाना और लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करना है। इस अभियान के तहत रीवा संभाग के उप डाकघर और प्रधान डाकघर में विशेष व्यवस्था की गई है। उप डाकघर में कम से कम 50 आधार से जुड़े कार्य किए जाएंगे। प्रत्येक प्रधान डाकघर में कम से कम 100 आधार लेनदेन सुनिश्चित किए जाएंगे। महाअभियान के दौरान नागरिकों को कई महत्वपूर्ण सेवाएं एक ही जगह पर मिलेंगी जिनमें नया आधार कार्ड बनवाना, नामांकन, आधार में नाम, पता, मोबाइल नंबर, फोटो आदि का अपडेशन शामिल है। बच्चों का आधार पंजीकरण, मोबाइल नंबर लिंक या अपडेट करने का कार्य भी डाकघर स्थित आधार केंद्रों में आयोजित होगा। उप डाकघरों में सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक प्रधान डाकघर सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक अभियान का आयोजन किया जाएगा। डाक विभाग ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिन लोगों का आधार अपडेशन के लिए लंबित है या जिन बच्चों का आधार अभी तक नहीं बना है वे इस अवसर का फायदा जरूर लें। साथ ही अपने परिवार और परिचितों को भी इसके लिए जागरूक करें। यह अभियान सशक्त भारत के उद्देश्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।